भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 469
उत्तर देने की तारीख 6 फरवरी, 2025
17 माघ, 1946 (शक)

पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल का प्रदर्शन

469 # श्री नीरज डांगी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कुछ महीने पहले आयोजित हुए पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल द्वारा जीते गए पदकों सहित भाग लेने वाले देशों में भारत द्वारा प्राप्त किए गए स्थान का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफलता के क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा पेरिस ओलंपिक खेलों में एथलीटों की चयन प्रक्रिया और प्रशिक्षण में पाई गई कमियों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा उक्त कमियों को दूर करने के लिए क्या-क्या सफल प्रयास किया जा रहे हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) भारत ने पेरिस ओलंपिक, 2024 में 6 पदक जीते और पदक तालिका में 71वें स्थान पर रहा। जीते गए पदकों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	खेल विधा	जीते गए पदकों की संख्या
1	एथलेटिक्स	1 रजत पदक
2	तीरंदाजी	3 कांस्य पदक
3	कुश्ती	1 कांस्य पदक
4	हॉकी (पुरुष टीम)	1 कांस्य पदक
	कुल योग	6 पदक (1 रजत & 5 कांस्य)

(ख) से (घ) : ओलंपिक और पैरालिंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारी एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय विभिन्न स्कीमों, जैसे राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के माध्यम से भारतीय खिलाड़ियों/टीमों को सहायता प्रदान करता है। ओलंपिक, पैरालिंपिक आदि जैसे मेगा-स्पोर्ट्स स्पर्धाओं सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों/टीमों को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी एक्सपोजर, कोच और विदेशी कोचों सहित सहायक कर्मियों से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) की योजनाओं/प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाता है वार्षिक प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कैलेंडर (एसीटीसी) बैठकों में उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। इसके साथ ही, टीओपीएस के तहत प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है और मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) द्वारा मामला-दर-मामला आधार पर उन्हें मंजूरी दी जाती है, और मंजूरी मिलने पर, एथलीटों को उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी की सुविधा के लिए सीधे धनराशि वितरित की जाती है। पेरिस ओलंपिक 2024 के समापन के बाद, निम्नलिखित सीखें सामने आई हैं :

- एनएसएफ द्वारा एथलीटों के चयन हेतु स्पष्ट नीति और कोचिंग स्कीम की आवश्यकता।
- मजबूत घरेलू प्रतिस्पर्धा संरचना के माध्यम से प्रतिभा की पहचान।
- खेल प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए खेल विज्ञान का एकीकरण।
- कोचों और तकनीकी अधिकारियों का विकास और उनकी दक्षताओं में सुधार करना।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ सहित एनएसएफ और साई आगामी अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं, जिनमें ओलंपिक और पैरालंपिक शामिल हैं, के लिए टीमों और खिलाड़ियों की तैयारी के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं, कोचिंग, उपकरण सहायता और पौष्टिक आहार प्रदान करने के लिए परस्पर समन्वय में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार ने समग्र खेल पारिस्थितिकी तंत्र में खेल विज्ञान को बेहतर ढंग से एकीकृत करने के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की भी स्थापना की है।

****